ISSN: 2584-0231(Online)
International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology
© IJMRAST \ Vol. 1 \ Issue 3 \ October 2023
Available online at: www.ijmrast.com

वर्तमान समय में ऑनलाईन शिक्षण की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

डॉ. स्वाति प्रिया

सहायक प्राध्यापक, न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सिमरिया, टीएमबीयू, भागलपुर (बिहार)

सारांश

आजकल की तकनीकी वृद्धि ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। विश्वविद्यालयों और शिक्षा संस्थानों ने अब आनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में, आनलाइन शिक्षा की चुनौतियाँ और सम्भावनाएं बढ़ चढ़कर दिख रही हैं।

ऑनलाईन शिक्षण की प्रमुख चुनौतियाँ में से एक यह है कि विद्यार्थी और शिक्षक एक-दूसरे के साथ निश्चित समय में अंतर्राष्ट्रीय असमयितता के कारण संवाद करने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं। विश्वविद्यालयों को ऑनलाईन परीक्षण की सुरक्षा को भी मजबूती से संरचित करना होगा। दूसरी ओर, आनलाइन शिक्षा की सम्भावनाएं अत्यधिक हैं। यह शिक्षा के क्षेत्र में विशाल जनसंख्या तक पहुंचने की संभावना प्रदान करती है। विभिन्न विषयों की विशेषज्ञता के लिए वेबिनार्स, ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी, और इंटरैक्टिव शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को गहराईयों तक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

आनलाइन शिक्षण वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखती है और समाज में शिक्षा की स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय पहुंच को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। हालांकि, इसमें सफलता प्राप्त करने के लिए सुरक्षित और संरचित शिक्षा संस्थानों की आवश्यकता है ताकि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को सही दिशा में निरंतर बढ़ा सकें।

मुख्य शब्द: ऑनलाईन शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, शिक्षण , आदि।

ऑनलाईन शिक्षा से क्या अभिप्राय है?

आजकल की तकनीकी युग में, ऑनलाईन शिक्षण ने एक नई शिक्षा परियोजना की शुरुआत की है। यह शिक्षा की प्रक्रिया है जो इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा प्रदान करती है, जिसमें विद्यार्थी अपने घर से ही विभिन्न विषयों में पढ़ाई कर सकते हैं। ऑनलाईन शिक्षा का प्रमुख लाभ यह है कि यह जगह और समय की प्रतिबद्धता के बिना प्राप्त की जा सकती है।

ऑनलाईन शिक्षा का अर्थ यह नहीं कि केवल आधुनिक तकनीकी साधनों का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि यह एक संपूर्ण शिक्षा संवाद की नई दृष्टिकोन है। विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा बनाए गए ऑनलाईन कोर्सेस, वेबिनार्स और वीडियो लेक्चर्स आवश्यक ज्ञान को विद्यार्थियों के तक पहुंचाते हैं।

ऑनलाईन शिक्षा से हमारा अभिप्राय यह भी है कि यह विद्यार्थियों को स्वतंत्रता देती है कि वे अपने स्टडी संवाद का समय स्वतंत्र रूप से चुन सकें। यह उन्हें अपनी रूचि और आवश्यकताओं के अनुसार कोर्स चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करती है, जिससे वे अपनी करियर की दिशा में स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकते हैं। ऑनलाईन शिक्षा एक व्यावसायिक और व्यक्तिगत स्तर पर शिक्षा को एक नई दिशा में ले जा रही है, जो शिक्षा के क्षेत्र में नए द्वार खोल रही है और छात्रों को नई संभावनाओं का अवसर प्रदान कर रही है।

भारत में ऑनलाईन शिक्षण कब शुरू हुआ ?

भारत में ऑनलाईन शिक्षा का आरंभ तकनीकी प्रगति और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ संबंधित है। 1990 के दशक में, भारत में इंटरनेट का पहला उपयोग शुरू हुआ था, जो तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। लेकिन, वास्तविक रूप से ऑनलाईन शिक्षा का प्रारंभ 2000 के दशक में हुआ जब सरकारी और निजी संस्थानों ने अपनी कक्षाओं को इंटरनेट के माध्यम से पहुंचाने की कोशिश की।

2000 के दशक के बाद, तकनीकी उन्नति और डिजिटल शिक्षा के लाभों को समझते हुए नई ऑनलाईन शिक्षा संस्थान और प्लेटफ़ॉर्म्स उत्थानित हुए। यह इंटरनेट यूजर्स की बढ़ती संख्या के साथ और भी प्रभावी बनी। विशेषज्ञता के क्षेत्र में ऑनलाईन कोर्सेस, वेबिनार्स, और लाइव क्लासेस की उपलब्धता से छात्रों ने गुणवत्ता शिक्षा की दिशा में अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने का अवसर पाया।

ऑनलाईन शिक्षा भारत में ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचने में भी सहायक बनी है, जहाँ शिक्षा की कमी होती थी। इसने विद्यार्थियों को नई विशेषज्ञता सीखने और करियर की दिशा में अपने सपनों की पूर्ति करने की संभावना प्रदान की है। इस रूप में, ऑनलाईन शिक्षा ने भारत में शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उसने लाखों छात्रों को शिक्षा के अद्वितीय जहाज में स्थान दिया है।

वर्तमान समय में बढ़ते ऑनलाईन शिक्षण की छात्रों के जीवन में भूमिका

वर्तमान समय में बढ़ते ऑनलाईन शिक्षण की छात्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है। यह नई तकनीकी उपाधी के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आई है।

1. सहज और सुगम शिक्षा: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को सहज और सुगम तरीके से शिक्षा प्राप्त करने की संभावना प्रदान करती है। वे अपने घर से ही विभिन्न विषयों में अध्ययन कर सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं।

2. व्यक्तिगतीकरण: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को उनकी शिक्षा की जरूरतों और प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न कोर्सेस चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करती है, जिससे वे अपने शैली और गति के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं।

3. अध्ययन की गुणवत्ता: ऑनलाईन प्लेटफ़ॉर्म्स पर उपलब्ध विशेषज्ञ शिक्षा, इंटरैक्टिव कक्षाएं, और समृद्ध संदेश छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त करने की संभावना प्रदान करते हैं।

4. विश्वसनीयता: कई अच्छे ऑनलाईन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म्स अपनी प्रमाणित पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र देते हैं, जो छात्रों को आगामी करियर में मदद करने में मदद करते हैं।

5. सामाजिक सम्बन्ध: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को विशेषज्ञ शिक्षकों और साथी छात्रों से जुड़ने की संभावना प्रदान करती है, जो उनके ज्ञान और सोच को विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

इस प्रकार, ऑनलाईन शिक्षा ने छात्रों के जीवन में नई दिशा और संभावनाएँ प्रदान की है जो उन्हें विशेषज्ञता, स्वतंत्रता, और आत्म-संवाद की दिशा में अग्रसर होने में मदद कर रही है।

ऑनलाईन शिक्षण की वर्तमान समय में आवश्यकता

वर्तमान समय में ऑनलाईन शिक्षण की आवश्यकता अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसकी आवश्यकता के कई कारण हैं:

1. संकल्प से सम्बंधित शिक्षा: ऑनलाईन शिक्षण वहाँ के छात्रों के लिए एक सम्पूर्ण शिक्षा संभव बनाता है जहाँ विशेषज्ञ शिक्षकों तक पहुँचना मुश्किल हो सकता है।

2. आधुनिक तकनीकी यंत्रों का उपयोग: स्मार्टफोन, कंप्यूटर, और इंटरनेट की उपलब्धता ने ऑनलाईन शिक्षा को संभव और पहुँचने में सहायता प्रदान की है।

3. व्यक्तिगतीकरण: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को उनकी आवश्यकताओं और विशेषज्ञता के अनुसार पढ़ाई करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

4. विश्वसनीयता: कई प्रमुख ऑनलाईन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म्स प्रमाणित कोर्सेस और प्रमाणपत्र प्रदान करते हैं, जो छात्रों को विश्वसनीय और प्रमाणित शिक्षा प्राप्त करने की संभावना प्रदान करते हैं।

5. समय और ऊर्जा की बचत: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को घर बैठे ही पढ़ाई करने की अनुमति देता है, जिससे यात्रा और समय की बचत होती है।

6. विविधता में वृद्धि: ऑनलाईन शिक्षा विभिन्न विषयों, कक्षाओं, और भाषाओं में पढ़ाई करने की संभावना प्रदान करती है, जिससे छात्रों की जिज्ञासा को संतुलित किया जा सकता है।

ऑनलाईन शिक्षा वर्तमान समय में छात्रों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त करने का मार्ग प्रदान कर रहा है।

ऑनलाईन शिक्षण के लाभ

ऑनलाईन शिक्षण के कई लाभ हैं, जिनमें से कुछ मुख्य हैं:

1. सुगमता और सहजता: ऑनलाईन शिक्षा सुगम और सहज होती है। छात्र घर से ही विभिन्न कोर्सेस में रुचि रखते हैं और समय के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं।

2. व्यक्तिगतीकरण: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को उनकी रुचि, शैली, और गति के हिसाब से पढ़ाई करने की स्वतंत्रता प्रदान करती है।

3. अध्ययन की गुणवत्ता: विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए ऑनलाईन कोर्सेस छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने की संभावना प्रदान करते हैं।

4. संकल्प से संबंधित शिक्षा: ऑनलाईन शिक्षा वहाँ के छात्रों के लिए एक सम्पूर्ण शिक्षा संभव बनाता है जहाँ विशेषज्ञ शिक्षकों तक पहुँचना मुश्किल हो सकता है।

5. समय और ऊर्जा की बचत: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को घर से ही पढ़ाई करने की अनुमति देता है, जिससे यात्रा और समय की बचत होती है।

6. विविधता में वृद्धि: ऑनलाईन शिक्षा विभिन्न विषयों, कक्षाओं, और भाषाओं में पढ़ाई करने की संभावना प्रदान करती है, जिससे छात्रों की जिज्ञासा को संतुलित किया जा सकता है।

7. सामाजिक संबंध: ऑनलाईन शिक्षा छात्रों को विशेषज्ञ शिक्षकों और साथी छात्रों से जुड़ने की संभावना प्रदान करती है, जो उनके ज्ञान और सोच को विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

इन लाभों के कारण, ऑनलाईन शिक्षा विद्यार्थियों के लिए एक उत्तम शिक्षा प्रणाली के रूप में प्रमुख हो गई है।

ऑनलाईन शिक्षण के दोष

ऑनलाईन शिक्षण के छात्रों के जीवन में बढ़ते प्रभावों के बावजूद, इसके कुछ दोष भी हैं।

1. **व्यक्तिगत संपर्क की कमी:** ऑनलाईन पढ़ाई में छात्र-शिक्षक का संपर्क सीमित होता है, जिससे छात्रों की सहायता में कमी हो सकती है। विचारशीलता, संदेह और प्रश्नों का सीधा उत्तर प्राप्त करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।
2. **छात्रों की आत्म-निगरानी में कमी:** ऑनलाईन शिक्षा में छात्रों को समय का उपयोग सही तरीके से करना सीखना पड़ता है, जो कई बार अव्यवस्थित या असमर्थता का कारण बन सकता है। यह उनकी स्वयं निगरानी को कमजोर कर सकता है और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत पहुँचा सकता है।
3. **तंत्र-दर्पण संज्ञान**: ऑनलाईन शिक्षा में छात्रों को इंटरनेट की संख्या अधिक होने के कारण विभिन्न आवर्तनों, सोशल मीडिया, और अन्य विज्ञान की खोज में खो जाने की संभावना होती है, जिससे उनकी शिक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है।
4. **अध्ययन की संकल्पना में कमी:** ऑनलाईन शिक्षा में छात्रों को सीधे संप्रेषण और प्रेरणा की कमी हो सकती है, जो उनकी पढ़ाई में वृद्धि को रोक सकती है। यह उनके अध्ययन की प्रेरणा को भी कमजोर कर सकता है।

ऑनलाईन शिक्षा के इन दोषों का सामना करना होता है, जिन्हें सही दिशा में परिष्कृत करके इसका परिचय लाभदायक बनाया जा सकता है।

ऑनलाईन शिक्षण का छात्रों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

आजकल, ऑनलाईन शिक्षा ने छात्रों के शिक्षा में गहरा प्रभाव डालना शुरू किया है। पहले पॉजिटिव प्रभाव की बात करें, ऑनलाईन शिक्षा ने छात्रों को संबंधित जानकारी का उच्च स्तर पर पहुँचाया है। वे अपनी पढ़ाई के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जो उनके ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करते हैं।

ऑनलाईन शिक्षा ने छात्रों को व्यक्तिगतीकृत शिक्षा की संभावना प्रदान की है। छात्र अपनी रुचि, शैली, और गति के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई में सहजता और स्वतंत्रता बनी रहती है। इसके अलावा, ऑनलाईन विद्यालयों और पोर्टल्स ने छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में संवेदनशील बनाया है, जैसे कि तकनीकी दक्षता, सहयोग और समसामयिक ज्ञान में वृद्धि।

हालांकि, ऑनलाईन शिक्षा के अनुप्रयोग में कुछ चुनौतियाँ भी हैं। छात्रों को व्यक्तिगत संपर्क से महज़रूरी हो सकती है, जिससे उनका संपर्क शिक्षक और सहपाठियों से कम हो सकता है। यह छात्रों के सवालों के लिए स्थानीय संपर्क की कमी को पूरा कर सकता है और उनकी समस्याओं का सीधा हल करने में कठिनाई पैदा कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, ऑनलाईन शिक्षा में स्थानीय शिक्षा संस्थानों के अनुपम अनुभव और संप्रेषण की कमी हो सकती है, जो छात्रों को शिक्षा के अनुभव को समझने में मदद करता है। यह उनकी शिक्षा में गहराई और संवेदनशीलता नहीं ला सकता है।

ऑनलाईन शिक्षा के प्रभावों में प्रकार-विकार दोनों होते हैं। यह छात्रों को व्यापक ज्ञान और संवेदनशीलता प्रदान करता है, लेकिन सही निगरानी और संपर्क की कमी से उनकी शिक्षा पर असर डाल सकती है।

निषकर्ष

आजकल की डिजिटल युग में, ऑनलाईन शिक्षण ने विकलांगता और संगठनितता के साथ शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। हालांकि, इसमें कई चुनौतियाँ भी छुपी हैं। पहली चुनौती सही गुणवत्ता और विशेषज्ञता की शिक्षा की प्राप्ति में है। ऑनलाईन शिक्षा की असामाजिकता और असंगठितता की वजह से छात्र विशेषज्ञ शिक्षकों से संपर्क कम कर पा रहे हैं।

दूसरी चुनौती तंत्र-दर्पण का प्रभाव है। अनगिनत स्रोतों से जानकारी प्राप्ति की संभावना से गलत या असंवेदनशील जानकारी भी मिल सकती है, जिससे शिक्षा प्रभावित हो सकती है।

हालांकि, ऑनलाईन शिक्षण के साथ आती भी कई सम्भावनाएं हैं। यह छात्रों को घर से ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे यात्रा और समय की बचत होती है। इससे छात्र अपनी पढ़ाई को अपनी रूचि और गति के अनुसार निर्धारित कर सकता है।

ऑनलाईन शिक्षा के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए संवेदनशीलता और उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के लिए सही दिशा में कदम उठाना महत्वपूर्ण है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. उपाध्याय संजय एवं भारद्वाज इन्दिरा ''शैक्षिक तकनीकि एवं सूचना संचार प्रद्यौगिकी'' राखी प्रकाशन आगरा

[2]. अग्रवाल विजय ''शैक्षिक प्रौद्योगिकी'' स्पोर्ट्स पब्लिकेशन नई दिल्ली

[3]. गौड़ भुवनेश्वर प्रसाद एवं मिश्रा पतंजलि ''शिक्षा तकनीकि एवं सूचना व संचार तकनीकि'' राखी प्रकाशन आगरा

[4]. गुप्ता सुशील कुमार एवं विकास कुमार ''शैक्षिक तकनीकि एवं आई0सी0टी0'' ठाकुर पब्लिकेशन लखनउ

[5]. मदन जी0आर0 ''परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र'' विवेक प्रकाशन दिल्ली

[6]. पाण्डेय जे0पी0 ‘‘समग्र विकास के लिए शिक्षा’’ कुरुक्षेत्र मासिक पत्रिका अप्रैल 2022

[7]. विविध समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं

[8]. https://www.infosrb.com .

[9]. नेहरू,डॉ.आर. एस.एस.(2013): essentials of-elearning: ए. पी. एच.पब्लिकेशन कारपोरेशन, नई दिल्ली।

[10]. https://hi.wikipedia.org.wiki .

[11]. https://shodhganga.Inflibenet-ac. In/simple-search.

[12]. विविध समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं।

Cite this Article

डॉ. स्वाति प्रिया, *“**वर्तमान समय में ऑनलाईन शिक्षण की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ** ", International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRAST), ISSN: 2584-0231, Volume 1, Issue 3, pp. 19-23, October 2023.*

Journal URL: *https://ijmrast.com/*

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.